

अफ्रीकन स्वाइन फीवर

हाल ही में थाईलैंड ने एक बूचड़खाने में एकत्र किये गए सतह के स्वाब के नमूने में [अफ्रीकी स्वाइन फीवर](#) का पता लगाया है।

African swine fever (ASF)



The virus is highly **resistant to low temperatures** and can survive for extended periods of time in the blood, faces and tissue of infected animals.

ASF is a **highly contagious**, transboundary viral disease (*Asfarviridae* family, *Asfivirus* genus).

It can affect both domestic and wild pigs (wild boars and peccaries). **It is harmless to humans.**

According to the OIE, **24%** of its member countries (48 out of 200) **have reported the disease** as present since 2016.

Typical clinical signs of ASF are similar to those of classical swine fever (which is endemic in several countries of the Americas); therefore, a **laboratory test** is required to distinguish them.

The **peracute** form of the virus causes sudden death with few signs.

African swine fever can be transmitted through **direct contact** between sick and healthy animals. It can also be transmitted **indirectly** through feed containing meat from infected animals (the virus can remain infectious for 3 to 6 months in uncooked pork products); **biological vectors** such as ticks of the genus *Ornithodoros*; and contaminated **inanimate objects** (fomites) that can transmit the virus.

Global alarms went off in August 2018, when an ASF outbreak was first reported in **China**. The disease swept through the entire Asian country and spread to **Mongolia, Vietnam, Cambodia and Hong Kong**.

According to official data for this period, more than **2.5 million domestic pigs** have died or been killed—67.6% of them in Asia over the past 10 months.

Between 2016 and May 2019, there were a total of **10,211 outbreaks in Africa, Europe and Asia**.

Symptoms include **fever, loss of appetite**, low energy, abortion, internal hemorrhages, visible hemorrhages, and even death.

प्रमुख बन्दि

परचिय:

- यह एक **अत्यधिक संक्रामक और घातक पशु रोग** है, जो घरेलू तथा जंगली सूअरों को संक्रमित करता है। इसके संक्रमण से सूअर एक प्रकार के तीव्र रक्तस्रावी बुखार (Hemorrhagic Fever) से पीड़ित होते हैं।
- **रोग के अन्य लक्षणों** में तेज़ बुखार, अवसाद, एनोरेक्सिया, भूख न लगना, त्वचा से रक्तस्राव, उल्टी और दस्त शामिल हैं।
- इसे पहली बार **1920 के दशक में अफ्रीका** में देखा गया था।
 - ऐतिहासिक रूप से **अफ्रीका और यूरोप, दक्षिण अमेरिका तथा कैरेबियन के कुछ हस्सियों** में प्रकोप की सूचना मिली है।
 - हालाँकि **हाल ही में (2007 से)** अफ्रीका, एशिया और यूरोप के **कई देशों में घरेलू एवं जंगली सूअरों** में यह बीमारी पाई गई।
 - **2021 में भारत** में भी इस प्रकार के मामलों का पता चला था।
- इस **रोग में मृत्यु दर 100 प्रतिशत** के करीब होती है और चूँकि इस बुखार का कोई इलाज नहीं है, अतः इसके संक्रमण को फैलने से रोकने का एकमात्र तरीका जानवरों को मारना है।
- अफ्रीकी स्वाइन फीवर **मनुष्य के लिये खतरा नहीं** होता है, क्योंकि यह केवल जानवरों से जानवरों में फैलता है।
- अफ्रीकी स्वाइन फीवर, **वशिव पशु स्वास्थ्य संगठन (OIE) के पशु स्वास्थ्य कोड में सूचीबद्ध** एक ऐसी बीमारी है जिसके संदर्भ में तुरंत OIE को सूचना देना आवश्यक है।

क्लासिकल स्वाइन फीवर (CSF):

- **क्लासिकल स्वाइन फीवर** को हॉग हैजा (Hog Cholera) के नाम से भी जाना जाता है, यह सूअरों से संबंधित एक गंभीर बीमारी है।
- यह दुनिया में सूअरों से संबंधित आर्थिक रूप से सर्वाधिक हानिकारक महामारी, संक्रामक रोगों में से एक है।
- यह 'फ्लेविवीरिडी' (Flaviviridae) फ़ैमिली के जीनस पेस्टीवायरस के कारण होता है, जो कि इस वायरस से संबंधित है तथा मवेशियों में

'बोवाइन संक्रमित डायरिया' और भेड़ों में 'बॉर्डर डज़ीज़' का कारण बनता है।

- इसमें मृत्यु दर 100% है।
- हाल ही में **ICAR-IVR** ने एक सेल कल्चर **CSF वैक्सीन** (लाइव एटेन्युएटेड) विकसित की है जिसमें वदेशी स्ट्रेन से लैपनिाइज्ड वैक्सीन वायरस का उपयोग किया जा रहा है।
 - यह नया टीका टीकाकरण के 14वें दिन से लेकर 18 महीने तक सुरक्षात्मक प्रतिरक्षा प्रदान करने में सक्षम है।

वश्व पशु स्वास्थ्य संगठन:

- यह दुनिया-भर में पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार हेतु उत्तरदायी एक अंतर-सरकारी संगठन (Intergovernmental Organisation) है।
- वर्तमान में कुल 182 देश इसके सदस्य हैं। भारत इसका सदस्य है।
- यह नियमों से संबंधित मानक दस्तावेज़ विकसित करता है जिनके उपयोग से सदस्य देश बीमारियों और रोगजनकों से स्वयं को सुरक्षित कर सकते हैं। इसमें से एक क्षेत्रीय पशु स्वास्थ्य संहिता भी है।
- इसके मानकों को **वश्व व्यापार संगठन** (WTO) द्वारा संदर्भित संगठन (Reference Organisation) के अंतरराष्ट्रीय स्वच्छता नियमों के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- इसका मुख्यालय पेरिस (फ्रांस) में स्थित है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/african-swine-fever-2>

